Vol 5 Issue 12 Jan 2016

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.D Research Scholar Faculty of Education IASE, Osmania University , Hyderabad

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Research Journal
International Recognized Multidisciplinary Research Journal
ISSN No : 2230-7850 Impact Factor : 3.1560 (UIF) [Yr. 2014]

ISSN: 2230-7850 **Impact Factor : 3.1560(UIF)** **Volume - 5 | Issue - 12 | Jan - 2016**

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामिण एवं शहरी परिवेश के विद्यार्थियों में व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

सुधीर सुदाम कावरे[1], सुनील कुमार सेन[2], राजकुमार[3]
[1,2]सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपूर, छत्तिसगढ.
[3]शोधकर्ता, शिक्षा विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपूर, छत्तिसगढ.

सारांश :

आधुनिकता की दौड में आज का मानव बहुत तीव्र गति से आगे बढ रहा है। तात्कालिक समय पर प्रत्येक दिन सुबह से श्याम तक घर से विद्यालय तक परिवार से समाज तक, विद्यार्थियों की गतिशीलता और माता पिता की आकांक्षा बढ रही है। सार्थक और मूल्यपरक शिक्षा के द्वारा ही आज का परिवार, समाज, संपूर्ण भारत एवं विश्व कल्याण संभव है। वैज्ञानिक अविष्कार एवं औद्योगीकरण ने मूल्यों के स्वरूप को परिवर्तित कर दिया है। आज समाज के चारों ओर नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों में गिरावट देखने को मिलती है। जिस तीवगति से हम अपने शाश्वत मूल्यों में अपनी आस्था खोते जा रहे है तथा जीवन को सुखी बनाने की जी तोड मेंहनत कर रहे है। पह एक असुरक्षित भविष्य का द्योतक है। अतः इक्कीसवी शताब्दी में सुखद भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक एवं पुरातन मूल्यों में समन्वय लाने के लिए मूल्यों की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है । समाज व प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाओं को मूल्यों के विकास पर जोर देना चाहिए। विद्यालयों में मूल्य परक क्रियाओं का आयोजन होना चाहिए तथा यह प्रक्रिया महाविद्यालय स्तर पर भी समय समय में आयोजित होनी चाहिए जिसमें विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से अपने आचार व व्यवहार में मूल्यों को समाहित कर सकें क्योंकि मूल्यों को पढाया नही जा सकता स्कूल तथा विद्यालय में आयोजित होने वाली क्रियाओं के माध्यम से त्याग, सेवा, कर्तव्य, निष्ठा, नेतृत्व, श्रम की गरिमा, देश प्रेम आदि मूल्यों का विकास किया जा सकता है।

प्रस्तावना :

आज विज्ञान का युग है। आधुनिक वैज्ञानिक तकनिक और औद्योगिक विकास ने धरती पर मानव जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। अन्य देशों की तरह हमारा देश भी कवासि की धारा में अग्रसर है। इस विकास की धारा ने मानव जीवन के कई पहलुओं में परिवर्तन लाया है। दिन प्रतिदिन मानवीय मूल्यों का ऱ्हास होता जा रहा है । ऐसी परिस्थिति में छात्रों को जो भविष्य के नागरिक है।

भारत आधुनिकता की दौड से गुजर रहा है। और हम सभी दौड में सामाजिक, नैतिक , सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का खण्डन हो रहा है। धर्म कमजोर हो रहा है। शक्ति एवं ज्ञान का दुरूपयोग हो रहा है। राष्ट्र का एक दूसरे के प्रति विश्वास नही है। तस्करी बेइमानी, भ्रष्टाचार क्रूरता, अनुशासन हीनता तथा अहिंसा का बोलबाला हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में शिक्षा को मूल्य उन्मुख बनाना अत्यन्त आवश्यक है। केवल मूल्य परक शिक्षा ही वैयक्तिक हित, सामाजिक हित, प्रेम, शान्ति, सदभावना तथा विवके

को विकसीत कर सकती है।

भारतीय समाज सांस्कृतिक रूप से बहुआयामी हो, शिक्षा के द्वारा उन सार्वजनिक और शाश्वत मूल्यों का विकास होना चाहिए जो लोगो को एकता के रूप में बांध सके, गौतम बुध्द तथा महात्मा गांधी के इस देश में हम उसी दिशा में व्यक्तिगत मूल्यों द्वारा अपना संकल्पकृत अभियान प्रारम्भ कर सकते है।

अध्ययन की आवश्यकता इसलिए भी है कि भविष्य में जीवन और भी पेचीदा व तीव्रगामी होने वाला है। जिसके फलस्वरूप पारिवारिक, सामाजिक व्यवसायिक व राजनीतिक, वातावरण जटिल हो जाएगा।

अतः विद्यार्थियों में बाल्यावस्था से ही स्वयं सोच विचार कर निर्णय लेने की क्षमता का विकास किया जाना चाहिए, माध्यमिक स्तर पर व्यक्तिगत मूल्यों के नवीकरण व स्थायित्व के लिए व्यवस्थित रूप से मूल्य शिक्षा देते रहने की आवश्यकता है। प्राचीन शिक्षण व्यवस्था के समय से ही हमारे देश में समृध्दि, सांस्कृतिक, विरासत रही है। शिक्षा में सामाजिक, आध्यात्मिक एवं नैतिक तत्वों के साथ व्यक्तिगत मूल्यों की समृध्दि रही है।

उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता हैं कि वर्तमान समय में जितने भी सामाजिक एवं नैतिक समस्यायें राष्ट्र के समक्ष उपस्थित हो रहीं है। उनका एक मात्र कारण समाज में व्यक्तिगत मूल्यों की कमी है। समाज का निर्माण वर्तमान समय में पढ रहें विद्यार्थियों से ही होता है। एक स्वच्छ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शोध अध्ययन के उददेश्य

१ ग्रामिण एवं शहरी विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन करना।
२ ग्रामिण छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
३ शहरी छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

१ ग्रामिण एवं शहरी विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नही है।
२ ग्रामिण छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
३ शहरी छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नही है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत लघु शोध के अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है इस विधि का प्रयोग वर्तमान समय में सामान्य या विशिष्ट परिस्थितिका पता लगाने के लिए किया जाता है। इस शोध का उददेश्य उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामिण व शहरी परिवेश के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना हैं।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में बिलासपूर जिले के ११ वी कक्षा के ग्रामिण एव शहरी परिवेश के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है। न्यादर्श चयन हेतु यादृच्छिक प्रतिचयन की लॉटरी विधि का प्रयोग किया गया तथा इस विधि द्वारा दो ग्रामिण एवं शहरी क्षेत्र के राजकीय प्राप्त विद्यालयों से १५-१५ छात्र -छात्राओं को लिया गया जिनकों कुल मिलाकर १२० छात्र-छात्राओं का चयन किया गया।

प्रदत्तों के संकलन हेतु प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में मूल्य मापन के अध्ययन के लिए डॉ श्रीमती जी. पी. शेरी और डॉ आर. पी. वर्मा (१९७१) द्वारा निर्मित व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली मापनी का उपयोग किया है। इस मापनी में व्यक्तिगत मूल्य से संबधित १० पक्षों पर प्रत्येक में चार प्रश्न किए गये है। (धार्मिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, प्रजातांत्रिक मूल्य, सौंदर्यपरक मूल्य, आर्थिक मूल्य, ज्ञानात्मक मूल्य, सत्ताशक्ति मूल्य, पारिवारिक सम्मान मूल्य, सांस्कृतिक मूल्य, स्वास्थ मूल्य)

प्रदत्तों की विश्लेाण प्रकिया

परिकल्पनाओं को जॉच करने के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।
१. केन्द्रीय प्रवृत्ति का मान
२. मानक विचलन शीलता के माप
३. टी-परीक्षण

परिणामों की विवेचना

प्रस्तुत शोध के अध्ययन के लिए तीन उददेश्य निर्धारित किए गयें थें। और इन्ही उददेश्यों के आधार पर परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया था। अध्ययन क्रम में परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया। जिसमें पहली परिकल्पना का परीक्षण करने पर पाया गया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर पर अध्ययनरत ग्रामिण तथा शहरी विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, सौंदर्यात्मक

मूल्य तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य में ग्रामिण तथा शहरी विद्यार्थियों में अन्तर पाया गया तथा प्रजातांत्रिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, बौध्दिक मूल्य, सुख प्रवृत्ति, शक्ति सत्ता, स्वास्थ मूल्य में अन्तर नही पाया गया। अतः ग्रामिण विद्यार्थि तथा शहरी विद्यार्थि भी वर्तमान परिपेक्ष्य में व्यक्तिगत मूल्यों में अन्तर दिखाई दे रहा है।

दूसरी परिकल्पना के परीक्षण में पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामिण छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में कोई अन्तर नहीं दिखाई दिया। भारद्वाज (२०१०) द्वारा ग्रामिण क्षेत्र में सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया तथा निष्कर्ष रूप में पाया कि व्यक्तिगत मूल्यों में कोई अन्तर नही है।

तीसरी परिकल्पना के परीक्षण में पाया गया कि वर्तमान में बदलते हुए भौतिक परिदृश्य को देखतें हुए शहरी छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में बहुत अन्तर दिखाई दिया है। परीक्षण में पाया गया कि सामाजिक मूल्य के अलावा सभी (धार्मिक मूल्य, प्रजातांत्रिक मूल्य, सौंदर्यपरक मूल्य, आर्थिक मूल्य, बौध्दिक मूल्य, सुख प्रवृत्ति मूल्य, ज्ञानात्मक मूल्य, सत्ताशक्ति मूल्य, पारिवारिक सम्मान मूल्य, सांस्कृतिक मूल्य, स्वास्थ मूल्य) आदि में अन्तर पाया गया ।

अध्ययन के निष्कर्ष

भारत ने ज्ञान विज्ञान के विविध क्षेत्रों में संतोषजनक प्रगति की है। हमें अपनी सफलता पर गर्व है। परंन्तु जिस द्रुत गति से हम अपने शाश्वत मूल्यों में अपनी आस्था खोते जा रहे हैं तथा तात्कालिक जीवन को सुखी बनाने हेतु जी तोंड परिश्रम कर रहें है वह एक असुरक्षित भविष्य का द्योतक है।

वर्तमान समय में तीव्र विकास के साथ ही व्यक्तिगत मूल्यों का पतन भी तीव्रता से हो रहा है। जो मानव सभ्यता हेतु अत्यंत हानिकारक है। हमें हर संभव प्रयत्न कर व्यक्तिगत मूल्यों के इस पतन को रोकना होगा मूल्यों के विकास में परिवार, समुदाय एवं राष्ट्र का योगदान होता है। परंतु शिक्षा के औपचारिक अभिकरण, विद्यालय तथा महाविद्यालय इस कार्य में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान करता है। मूल्यों के विकास के लिए कार्य करते समय हमें प्रत्येंक मूल्य को परिभाषित करने, उसे समझाने तथा व्यवहार के अनुरूप व्यवस्थित करना होगा विद्यार्थियों में निहित मूल्यों को विकसित कर उनमें समाज राष्ट्र एवं विश्व बंधुत्व की भावना जागृत करना अनिवार्य है। व्यक्तिगत मूल्य एक ऐसा कारक है जो परिवार, समाज, राष्ट्र तथा विश्व को एक साथ अलौकिक प्रकाश में सुशोभित कर सकता है।

आज भारत आधुनिकता के दौर से गुजर रहा है और इस अंधी दौड में सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का खण्डन हो रहा है। धर्म कमजोर हो रहा है। शक्ति एव ज्ञान का दुरूपयोग हो रहा है। राष्ट्रो का एक दूसरे के प्रति विश्वास नही है। तस्करी, बेइमानी, भ्रष्टाचार, क्रूरता, अनुशासनहीनता तथा अहिंसा का बोलबाला है। ऐसी विकट स्थिती में शिक्षा को मूल्य उन्मूख बनाना अत्यंत आवश्यक है। केवल मूल्य परक शिक्षा की वैयक्तिक हित, सामाजिक हित प्रेम, शांति, सदभावना तथा विवके को विकसित कर सकती है। और अन्तराष्टीय सदभावना विकसित की जा सकती है।

सन्दर्भ

१. सिंह, सारनाथ, कुमार मोहन (२००८) माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं के जीवन मूल्यों की तुलना, भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका, वर्ष २७, अंक २, जुलाई-दिसम्बर २००८।
२. सिंह, मंजू (२००३) प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के नियन्त्रण केन्द्र एवं मूल्यों के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन, आधूनिक शिक्षा वर्ष-२२, अंक २।
३. शुक्ला, श्रध्दा (१९९६) कम्पेरिटीव स्टडी ऑफ वैल्यूज एमंग लिट्रेट एण्ड इश्यू, जूलाई १९९६।
४. पाण्डेय, एस (१९८६) जीवन मूल्य, आर. सी. टी. ई. उदयपूर।
५. भटटाचार्य, जी डी के (१९७४) इनसायक्लोपिडिया आफ इण्डियन एजुकेशन, न्यू दिल्ली।
६. ओझा, आर. के. (१९७१) मूल्यों का अध्ययन, हिन्दी संस्करण आगरा, नेशनल साइकोलॉजीकल कार्पोरेशन।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ International Scientific Journal Consortium
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org